दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 21 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, मंगलवार, 21 मार्च 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

निवेशकों को लुभाने का नया परिदृश्य

शराब-सिगरेट की लत से दूर रहते हैं ये सितारे

मूल्य- 2 रु.

राहुल गांधी के बयान को लेकर लोकसभा में जोरदार हंगामा

कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा भारत के लोकतंत्र को लेकर लंदन में दिए गए बयान पर उनसे माफी की मांग कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों के शोर शराबे के कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 2:15 बजे दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। इससे पहले भाजपा सदस्यों की नारेबाजी और अडाणी समूह से जुड़े मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग को लेकर कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के कारण सुबह प्रश्नकाल की कार्यवाही नहीं चल सकी और उसे दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया।

एक बार के स्थगन के बाद दो बजे बैठक शुरू हुई तो पीठासीन सभापति किरीट सोलंकी ने आवश्यक दस्तावेज सदन में प्रस्तुत कराए। विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों और समिति अध्यक्षों ने संबंधित प्रपत्र रखे। इस दौरान भाजपा के अनेक सदस्य अपने स्थान पर खड़े होकर 'राहुल गांधी माफी मांगो' के नारे लगा रहे थे। हालांकि, इस दौरान कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के सदस्य अपने स्थानों पर बैठे दिखे। पीठासीन सभापति सोलंकी ने नारे लगा रहे सदस्यों से अपने स्थान पर बैठने और कार्यवाही चलने देने का आग्रह किया। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने कार्यवाही करीब 15 मिनट बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले आज 11 बजे सदन में प्रश्नकाल आरंभ होने के साथ ही सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों तरफ से नारेबाजी शुरू हो गई। कांग्रेस सदस्यों ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल गांधी के एक बयान को लेकर दिल्ली पुलिस के अधिकारियों द्वारा उनसे जानकारी मांगने से जुड़े मुद्दे को भी उठाने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से शोर-शराबा बंद करने और बैठक चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, ''प्रश्नकाल के बाद आपको (विपक्षी सदस्य) पर्याप्त मौका दूंगा। प्रश्नकाल चलने दें। जो भी सदस्य नियमों और प्रक्रिया के तहत नोटिस देंगे उन्हें बोलने का अवसर दूंगा। आपसे आग्रह है कि सदन चलने दें।'' बिरला ने यह भी कहा, ''सदन आपका है, सबको बोलने का अधिकार है। नियमों के तहत आपको मौका मिलेगा।''

आचार्य सुमित रावल को सर्वश्रेष्ठ वास्तु सलाहकार पुरस्कार से किया गया सम्मानित

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा द्वारा पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदान किया गया।

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार/नई दिल्ली। आचार्य सुमित रावल (ASR) को ब्रांडआइकन द्वारा इंटरनेशनल फेम अवार्ड (IFA 2023) में भारत के सर्वश्रेष्ठ वास्तु सलाहकार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार नई दिल्ली में 18 मार्च, 2023 को बेल-ला-मोंडे होटल्स, छतरपुर में ग्लैमरस और टॉप रेटेड बॉलीवुड अभिनेत्री में से एक, श्रीमती शिल्पा शेट्टी कुंद्रा द्वारा पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदान किया गया। ब्रांडआइकन है 1600+ प्रविष्टियों, 85+ देशों और 800+ ब्रांडों के पुरस्कारों के साथ घटनाओं की दुनिया में सबसे सम्मानित पुरस्कारों में से एक और उत्कृष्टता का एक सच्चा प्रतीक। भारत के एक प्रसिद्ध वास्तु सलाहकार कोच तथा हरिद्वार स्थित एक उद्यम, वास्तु जस्ट फॉर यू के संस्थापक, आचार्य सुमित रावल (एएसआर) 2002 से वास्तु के क्षेत्र में हैं। उन्होंने 12,000+ लोगों को, भारत और विदेशों में आवासीय 3000+ वाणिज्यिक, औद्योगिक और संस्थागत परियोजनाओं को वास्तु परामर्श (बिना विध्वंस के) सफलतापूर्वक प्रदान किया है। वह सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में प्रसिद्ध कॉर्पोरेट्स के वास्तु विशेषज्ञ हैं। पिरामिड वास्तु, नैनो वास्तु, ऊर्जा वास्तु, क्वांटम वास्तु, सूक्ष्म वास्तु विश्लेषण, संख्या वास्तु, औषधीय वास्तु, रत्नाध्याय और धतुध्याय के विशेषज्ञ, उन्होंने वास्तु शास्त्र और मनोगत विज्ञान पर 5500+ व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है। आचार्य सुमित जी एक योग्य ज्योतिषी, अंकशास्त्री, रेकी ग्रैंडमास्टर, न्यूरो भाषाई प्रोग्रामिंग ट्रेनर, पेरन्टिंग और पास्ट लाइफ रिग्रेशन थैरेपी के विशेषज्ञ भी हैं।

अमृतपाल के चाचा हरजीत सिंह और चालक ने किया सरेंडर, खालिस्तान समर्थक की तलाश जारी

चंडीगढ़। कट्टरपंथी उपदेशक एवं खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के चाचा और ड्राइवर ने जालंधर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। जालंधर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) स्वर्णदीप सिंह ने सोमवार को बताया कि अमृतपाल के चाचा हरजीत सिंह और ड्राइवर हरप्रीत सिंह ने मध्यरात्रि के बाद लगभग साढ़े बारह बजे मेहतपुर इलाके में एक गुरुद्वारे के पास आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह अब भी फरार है, जिसकी तलाश अभी तक जारी है।

पंजाब पुलिस ने शनिवार को अमृतपाल और उसके समूह 'वारिस पंजाब दे' के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई शुरू की, जिसमें पुलिस ने संगठन के 78 सदस्यों को गिरफ्तार किया था हालांकि, जालंधर जिले में उसके काफिले को रोके जाने के बाद अमृतपाल भाग निकलने में सफल रहा। अमृतपाल की तलाश में पुलिस ने रविवार को पूरे पंजाब में फ्लैग मार्च किया और तलाशी ली, उसके समर्थकों को गिरफ्तार किया और हिरासत में लिए गए चार लोगों को दूर असम की जेल में भेज दिया।'वारिस पंजाब दे' के प्रमुख के खिलाफ यह कार्रवाई अमृतपाल और उनके समर्थकों द्वारा अमृतसर के पास अजनाला थाने पर हमला करने के कुछ हफ्तों बाद हुई है। संगठन के सदस्यों ने पुलिस की ओर से एक गिरफ्तार सदस्य की रिहाई के आश्वासन के बावजूद थाने पर हमला किया। खालिस्तान समर्थक नेता और उनके समर्थकों पर वैमनस्य फैलाने, हत्या के प्रयास, पुलिस कर्मियों पर हमला करने और लोक सेवकों को उनके कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है।

गैंगस्टर की धमकी से बढ़ाई गई सलमान खान की सिक्योरिटी

नई दिल्ली। बॉलीवुड के 'सुपरस्टार' सलमान खान की जान पर लगातार खतरा मंडरा रह है जबसे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का इंटरव्यू सामने आया। दरअसल, इस इंटरव्यू में गैंगस्टर ने सलमान को खुलेआम धमकी दी है। बता दें पूरी रात मुंबई के जवान सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास गैलेक्सी के बाहर पेट्रोलिंग करते दिखे, पुलिस पूरी तरह एक्शन में है। वे आकाशगंगा के बाहर भी भीड़ जमा नहीं होने दे रहे हैं। 18 मार्च को सलमान के मैनेजर प्रशांत गुंजालकर को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था, जिसमें सलमान से बात करने की बात लिखी गई है. यह मेल रोहित गर्ग के नाम से मिला है। ई-मेल में लिखा था कि 'गोल्डी बराड़ को अपने बॉस यानी सलमान खान से बात करनी है। हो सकता है कि उसने इंटरव्यू देखा हो, अगर आपने नहीं देखा है तो उसे देखने के लिए कहें। अगर आप मामले को बंद करना चाहते हैं, तो बात खत्म कर दीजिए। यदि आप आमने-सामने करना चाहते हैं, तो वह भी बताएं। मैंने आपको समय पर सूचित कर दिया है, अगली बार आप केवल एक झटका देखेंगे'। जानकारी के आधार पर ईमेल मिलने के बाद सलमान खान के मैनेजर ने मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

JDU चीफ ललन सिंह बोले- भाजपा देशभक्ति और देशद्रोह की परिभाषा तय नहीं कर सकती

नई दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष ललन सिंह ने सोमवार को संसद में गतिरोध के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराया और जोर देकर कहा कि सत्तारूढ़ दल देशभक्ति और देशद्रोह की परिभाषा तय नहीं कर सकता है। संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बात करते हुए सिंह ने ब्रिटेन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी का बचाव किया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पहले विदेशी धरती पर विपक्षी दलों को निशाना बनाया था। लोकसभा सदस्य ने कहा, "अगर आपका नेता विपक्ष के खिलाफ बोलता है, तो यह देशभक्ति है।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल

uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

महंगाई भरे दिन बीते न भैया

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास के बयान से गहरा सुकून मिला था, लेकिन बहुत जल्द ही वह खंड-खंड होकर बिखर गया। गवर्नर दास ने दावा किया था कि महंगाई का दौर बहुत पीछे छूट गया है। महंगाई अतीत हो चुकी है। हम महंगाई के प्रभावों से अब उबर रहे हैं। उन्होंने यह दावा तब किया, जब आकलन किए जा रहे हैं कि वित्त-वर्ष 2023-24 के दौरान खुदरा महंगाई दर 6.8 फीसदी, थोक की दर 11.5 फीसदी और फूड की महंगाई दर 7 फीसदी से अधिक होने के अनुमान हैं। संभावित महंगाई की दर उस लक्ष्मण-रेखा के पार लगती है, जो भारत सरकार और रिजर्व बैंक ने तय कर रखी है। यह लक्ष्मण-रेखा 6 फीसदी की है। अर्थात महंगाई की दर इससे ज्यादा नहीं होनी चाहिए, लेकिन रिकॉर्ड स्पष्ट बयां कर रहे हैं कि बीते 15 माह के दौरान महंगाई ने कमोबेश 13 बार लक्ष्मण-रेखा को लांघा है। अलबत्ता फरवरी, 2023 में भी खाद्य महंगाई दर करीब 5.95 फीसदी थी और खुदरा दर 6.44 फीसदी रही। शायद आम आदमी इन प्रतिशतों को नहीं जानता होगा, लिहाजा मोटे तौर पर स्पष्ट कर दें कि महंगाई अब भी मौजूद है। बल्कि तय लक्ष्मण-रेखा के बाहर ही है, लिहाजा 'चरम' पर है। बेशक केंद्रीय मंत्री और सत्ता-पक्ष के प्रवक्ता अब भी कोरोना महामारी के दुष्प्रभावों और रूस-यूक्रेन युद्ध की आड़ में छिप कर दलीलें देते रहे हैं, लेकिन 'महंगाई भरे दिन बीते न भैया३' की तर्ज पर एक पुराना गीत लोगों के लबों पर है। दुर्भाग्य यह है कि महंगाई का मुद्दा कभी भी 'राष्ट्रीय' नहीं बन सका, लेकिन 'राष्ट्रवाद' का ढोल कहीं भी पीटा जा सकता है।

रोजमर्रा के कुछ उदाहरणों से स्पष्ट हो जाएगा कि महंगाई कितने छद्म तरीके से हमें प्रभावित कर रही है। बिस्कुट का 5 रुपए वाले पैकेट का वजन 80 ग्राम होता था, जिसे घटाकर 52 ग्राम कर दिया गया है। चाय की पत्ती का जो 250 ग्राम वाला पैकेट 60 रुपए में मिलता था, उसे घटा कर 200 ग्राम कर दिया गया है। नमकीन का 10 रुपए वाला पैकेट 60 ग्राम से घटा कर 42 ग्राम कर दिया गया है। बेशक ये छोटे-छोटे खर्च हैं, जो आम आदमी को उतने नहीं चुभते होंगे, लेकिन आटा, चावल, दाल, चीनी, सरसों का तेल, मसाला, मांस-मछली, अंडा, दुग्ध उत्पाद, अनाज और सबसे अधिक रसोई गैस का सिलेंडर आदि लगातार महंगे होते रहे हैं, नतीजतन औसत घर का बजट भी डांवाडोल हुआ होगा! राजधानी दिल्ली में गैस का सिलेंडर 1103 रुपए का बिक रहा है। यह स्थिति तब है, जब अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के बाज़ार में दाम 72 डॉलर प्रति बैरल है। यह कीमत 116 डॉलर प्रति बैरल से लुढक़ कर आई है, लेकिन आम आदमी के लिए पेट्रोल और डीजल के खुदरा दाम यथावत हैं। बीते 10 माह से दाम न तो बढ़े और न ही कम किए गए हैं। सवाल है कि जब कच्चा तेल लगातार सस्ता हो रहा है, तो उसका फायदा आम उपभोक्ता को क्यों नहीं दिया जा रहा है? तेल ही महंगाई का प्रमुख, बुनियादी कारक है। सरकार को सवाल करें, तो उनका जवाब होता है कि तेल कंपनियां और बाज़ार ही दाम तय करते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि यदि विपक्ष सहमत है, तो तेल को भी जीएसटी के दायरे में लाने को सरकार तैयार है। उससे भी तेल के दाम कम होंगे। सवाल यह है कि रिजर्व बैंक के गवर्नर का महंगाई संबंधी दावा किन आधारों और डाटा पर आधारित है? बेशक केंद्रीय बैंक के साथ बड़े और विशेषज्ञ अर्थशास्त्री जुड़े हैं। जाहिर है कि देश की अर्थव्यवस्था को वे आम आदमी की तुलना में बेहतर ढंग से जानते हैं, लेकिन हकीकत तो कुछ और ही है। मान लेते हैं कि देश में औसत आय भी बढ़ी है, लेकिन करोड़ों लोग आज भी ऐसे हैं, जो रोज़ाना के 32 रुपए से ज्यादा खर्च करने में असमर्थ हैं।

निवेशकों को लुभाने का नया परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

इस समय जब पूरी दुनिया में वैश्विक सुस्ती का दौर है और दुनिया के विभिन्न देशों में देशी-विदेशी निवेश घट रहे हैं, तब भारत में विभिन्न राज्यों में आयोजित निवेशक सम्मेलनों के माध्यम से देशी-विदेशी निवेश छलांगे लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। निःसंदेह पूरी दुनिया अचंभित होकर देख रही है कि भारत के विभिन्न प्रदेश निवेश आकर्षित करने की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करते हुए अपने-अपने प्रदेशों में उद्योगीकरण, विकास और रोजगार के लिए देशी-विदेशी निवेश का ढेर लगा रहे हैं। हाल ही में 23-24 फरवरी को पंजाब के मोहाली में दो दिवसीय प्रोग्रेसिव पंजाब इन्वेस्टर्स समिट इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। इसमें शामिल होने देश-विदेश के करीब 3000 उद्यमी पहुंचे। नौ सत्रों की इन्वेस्टर्स मीट में यूके-जापान के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। पंजाब में आप सरकार बनने के बाद यह पहला निवेशक सम्मेलन था। जर्मनी, जापान, यूके और सउदी अरब जैसे कई देशों से करीब 230 प्रतिनिधि इस समिट में शिरकत करने आए। खास बात यह भी रही कि विदेश से करीब 1951 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। जापान की कंपनी टोक्कन पैकेजिंग क्षेत्र में 548 करोड़ का निवेश करेगी। स्विटजरलैंड की नेस्ले खाद्य प्रसंस्करण में 423 करोड़, जापान की आइची स्टील 342 करोड़, जर्मनी की विब्राकॉस्टिक्स 338 करोड़ और यूके की एचयूएल 281 करोड़ के प्रस्ताव दिए हैं। राज्य सरकार के मुताबिक अब तक 38 हजार 175 करोड़ के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से राज्य में 2.43 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री भगतवंत मान ने समिट में पंजाब को सबसे पसंदीदा स्थान के रूप में उभारने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्स्टाइल, एग्रो इंडस्ट्री, फूड प्रोसेसिंग तथा विभिन्न तकनीकी उद्योगों के लिए बड़े निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इससे पंजाब में उद्योगीकरण बढ़ेगा और रोजगार बढ़ेंगे।

गौरतलब है कि प्रोग्रेसिव पंजाब इन्वेस्टर्स समिट के पहले 10 फरवरी से 12 फरवरी तक उत्तरप्रदेश में तीन दिवसीय वैश्विक निवेशक समिट-यूपीजीआईएस के तहत निवेशकों से प्राप्त प्रस्तावों और आयोजन की सफलता अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए दिखाई दी है। इस वैश्विक निवेशक सम्मेलन में 10 पार्टनर देशों के तौर पर ब्रिटेन, नीदरलैंड, डेनमार्क, सिंगापुर, जापान, इटली, दक्षिण कोरिया, आस्ट्रेलिया, यूएई और मारीशस से निवेशकों व उद्यमियों के बड़े दल ने भाग लिया। इसके अलावा 30 अन्य देशों के निवेशक भी बड़ी संख्या में आये। यह भी उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वैश्विक निवेशक सम्मेलन के तहत करीब 17 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था लेकिन स्थिति यह है कि निवेशक समिट के दौरान ही लक्ष्य से कहीं ज्यादा 33.50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस दौरान करीब 17000 समझौता पत्रों पर हस्ताक्षर किये गए हैं। इस निवेश के चलते प्रदेश के 93 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) सेक्टर में सबसे ज्यादा रोजगार इसी क्षेत्र के जरिए ही पैदा होने वाला है।

यदि हम यूपीजीआईएस के तहत आए प्रस्तावों को देखें तो पाते हैं कि प्रदेश में सबसे ज्यादा निवेश प्रस्ताव ऊर्जा व शिक्षा क्षेत्र में मिले हैं। शिक्षा क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में निवेश प्रस्ताव आए हैं। प्रदेश में निजी विश्वविद्यालय व कालेज के साथ ही अन्य तरह के शिक्षा संस्थान खोलने के लिए कई प्रस्ताव मिले हैं। वहीं आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के तहत बड़े निवेश के लिए प्रस्ताव मिले हैं। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के साथ-साथ वैकल्पिक एवं गैर पारंपरिक ऊर्जा विभाग को भी तय लक्ष्य से कई गुना के प्रभावी निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इस बार के निवेशक सम्मलेन में प्रदेश के सभी 75 जिलों में निवेश आया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश व दुनिया के करीब 25000 लोगों ने इस वैश्विक निवेशक सम्मलेन में भाग लिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जहां 11 और 12 जनवरी को इंदौर में आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मलेन इन्वेस्ट मध्यप्रदेश के तहत 15.42 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस निवेशक सम्मलेन में 68 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके पहले नवंबर 2022 में कर्नाटक वैश्विक निवेशक सम्मलेन में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

पारंपरिक बीज संरक्षण को प्रोत्साहन मिले

प्रताप सिंह पटियाल

अपनी मातृभूमि से जमीनी स्तर व जज्बाती तौर पर जुडने का माध्यम कृषि व्यवसाय है। कृषि के पुश्तैनी व्यवसाय के सबसे बड़े प्रतिनिधि किसान हैं। बेशक कृषि क्षेत्र व कृषक समाज की जरूरतों को समझने के लिए केन्द्र व राज्यों में कृषि मंत्रालय स्थापित हैं। देश में कृषि व बागवानी से जुड़े विभागों में हजारों सरकारी अहलकार कई पदों पर विराजमान हैं मगर कृषि क्षेत्र का जमीनी अनुभव देश की करोड़ों आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले मेहनतकश अन्नदाताओं के पास ही है। हिमाचल प्रदेश अपने शक्तिपीठों व पर्यटन स्थलों के साथ पारंपरिक अनाजों के लिए भी विख्यात है। राज्य में पैदा होने वाले औषधीय गुणों से भरपूर कई पारंपरिक गुणवत्तायुक्त उत्पाद राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पटल पर उपभोक्ताओं को आकर्षित करते हैं। काला जीरा, चुली तेल व कांगड़ा चाय सहित प्रदेश के कई अन्य उत्पादों को 'ज्योग्राफिकल इंडिकेशन' मिल चुका है।

पारंपरिक फसल पद्धति को पुनर्जीवित रखने के सराहनीय प्रयासों के लिए इसी वर्ष देश के गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य के अनुभवी कृषक नेक

राम को भारत सरकार ने 'पद्म श्री' नागरिक सम्मान से नवाजा है। आज भी देश में करोड़ों किसान परिवारों की आजीविका खेती से जुड़े पुश्तैनी व्यवसाय पर मुन्नसर करती है।

निःसंदेह कृषि क्षेत्र में रासायनिक खादों के उपयोग से खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज हुई, मगर रसायनों के अंधाधुंध प्रलचन से कृषि भूमि की सेहत दुष्प्रभावित हुई। नतीजतन खेती की उपजाऊ क्षमता व लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ा। यदि मौजूदा दौर में किसानों का खेत-खलिहान के प्रति बेररुखी का नजरिया पैदा हुआ है। खेत खरपतवार की चपेट में आकर वीरानगी की जद में जा रहे हैं। बेसहारा पशुओं के कहर से काश्तकारी जटिल व घाटे का सौदा साबित हो रही है तो इसका मुख्य कारण महंगी रासायनिक खादें, महंगे कीटनाशक, महंगे कृषि उपकरण व महंगे हाईब्रिड बीज तथा डिपुओं में मिलने वाला सरकारी राशन है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि सैकड़ों बहुराष्ट्रीय बीज कंपनियां अपने महंगे बीजों के साथ देश के बाजारों में मजबूत पकड़ से काबिज हो चुकी हैं। यह प्रचलन सुनहरे अतीत वाले पारंपरिक बीजों व पारंपरिक खाद्यान्नों तथा स्वस्थ जीवनशैली पर संकट साबित हो रहा है। देश के बाजारों में बहुराष्ट्रीय बीज कंपनियों के दस्तक देने के बाद कृषि अर्थव्यवस्था को गुलजार करने वाले कृषि क्षेत्र के परोधा किसानों की आर्थिकी कमजोर हुई। कई कृषि विशेषज्ञ जीएम बीजों पर एक मुद्दत से मुखालफत का इजहार करके पारंपरिक कृषि बीजों के वजूद को बचाने की जद्दोजहद में लगे हैं। कृषि क्षेत्र में दरपेश आ रही इन समस्याओं पर एक रायशुमारी की जरूरत है।

जिन पारंपरिक खाद्यान्नों की लज्जत से पहाड़ महक उठते थे वो पारंपरिक फसलें पहाड़ के खेतों से रुखसत होने की कगार पर हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में उगाए जाने वाले 'चिन्नौर' प्रजाति के चावल को 'जीआई' टैग मिला है। मगर हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला का 'बायला ब्राउन बासमती' चावल तथा रोहडू क्षेत्र के दोहारटू घाटी का 'लाल चावल' अपने अनूठे स्वाद व पौष्टिक गुणों के लिए प्रसिद्ध है।

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

प्रदेश की आबकारी नीति मंजूर, एक अप्रैल से सस्ती होगी शराब

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सोमवार को कैबिनेट बैठक संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश की आबकारी नीति 2023-24 को मंजूरी मिल गई। जिसके बाद अब प्रदेश में देशी-विदेशी शराब सस्ती हो जाएगी। उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड में शराब तस्करी को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। प्रदेश में नई आबकारी नीति एक अप्रैल से लागू हो जाएगी। बता दें कि सचिवालय स्थित विश्वकर्मा भवन के वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में हुई बैठक में तीन प्रस्ताव आए। इसमें पहला प्रस्ताव कोसी और गोला नदी में चलने वाले वाहनों के फिटनेस शुल्क को लेकर था। जिस पर मुख्यमंत्री पूर्व में विचलन से निर्णय ले चुके थे। दूसरा प्रस्ताव एकल आवास के नक्शों के पास करने का था। जबकि तीसरा आबकारी नीति का था। तीनों प्रस्तावों को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई।

आबकारी नीति को मंजूरी

यूपी के मुकाबले प्रदेश में शराब केवल 20 रुपये महंगी रखी जाएगी। इस निर्णय से प्रदेश में शराब के दामों में 100 से 300 रुपये तक प्रति बोतल की कमी आ जाएगी। प्रति बोतल तीन रुपये महिला कल्याण, युवा कल्याण व खेल विभाग और गौवंश संरक्षण के लिए बतौर सेस वसूला जाएगा। यानी हर विभाग को प्रति बोतल शराब की बिक्री पर एक रुपया मिलेगा। एक अनुमान के अनुसार, चार से पांच लाख बोतल शराब प्रतिदिन बिकती है। इस हिसाब से प्रत्येक विभाग को हर महीने एक से डेढ़ करोड़ राजस्व मिलने की उम्मीद है।

कैबिनेट ने नई दुकानें खोलने की अनुमति दे दी है। शराब को सस्ती करने के लिए मिनिमम गारंटी ड्यूटी (एमजीडी) में कमी का निर्णय लिया गया है। वहीं, नीति के तहत सरकार ने आबकारी विभाग को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए चार हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया है। इस साल का लक्ष्य 3600 करोड़ रुपये का है।

वाहनों का फिटनेस शुल्क

- इसके तहत एक साल तक वाहनों की फिटनेस के लिए पुराना शुल्क लिया जाएगा।
- एक साल बाद वाहनों की फिटनेस के लिए नया शुल्क लागू होगा।

सीए आशुतोष पांडेय, विभाष मिश्रा अंतरराष्ट्रीय सेवा सम्मान के लिए नामित

पूर्वांचल उत्थान संस्था ने दी शुभकामनाएं एवं जताया आभार

हरिद्वार। उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो, पूर्वांचल उत्थान संस्था की दो महान विभूतियों सीए आशुतोष पांडेय और विभाष मिश्रा जी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह 2023 के लिए नामित किया गया है। बताते चलें कि 16अप्रैल के स्थानीय होटल में अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाली विभुतियों को सम्मानित किया जाएगा। शुन्य से शिखर तक , अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह में पूर्वांचल समाज से सीए आशुतोष पांडेय और विभाष मिश्रा को उनके विशिष्ट योगदान को देखते हुए नामित किया गया है। सीए आशुतोष पांडेय वर्तमान में पूर्वांचल उत्थान संस्था के अध्यक्ष हैं और समाजसेवी विभाष मिश्रा व्योम फाउंडेशन के संस्थापक हैं। धार्मिक एवं सामाजिक सारोकारों से जूड़ी पूर्वांचल उत्थान संस्था की विशिष्ट पहचान है। सरस्वती पूजा, छठ पूजा, दुर्गा पूजा सहित अन्य कई आयोजन पूर्वांचल उत्थान संस्था की पहचान बन गई है। इसके साथ ही संस्था के माध्यम से बेरोजगारों को रोजगार, गरीब बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा की व्यवस्था की जा रही है। वहीं दिव्यांग बच्चों को सक्षम बनाने की दिशा में व्योम फाउंडेशन सराहनीय भूमिका कि निर्वहन कर रही है। स्वयं के ख़र्च पर विभाष मिश्रा पिछले कई वर्षों से कार्य कर रहे हैं। हालांकि करोना काल में आर्थिक मंदी के चलते सेवा कार्य बाधित हुआ। लेकिन एक बार फिर दुगने जोश के साथ दोबारा विभाष मिश्रा सेवा में जुट गए हैं। इन दोनों महानुभावों के नामित होने से पूर्वांचल समाज का मान बढ़ा है। पूर्वांचल समाज को गौरवान्वित करने के लिए पूर्वांचल उत्थान संस्था दोनों महानुभावों का आभार जताया है।

बधाई के पात्र हैं मुख्यमंत्री धामी: श्रीमहंत रविंद्रपुरी

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा नवरात्र को नारी शक्ति उत्सव के रूप में मनाने के लिए जिलों में देवी उपासना के कार्यक्रमों का आयोजन करने का फैसला लिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री के इस फैसले की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 22 मार्च से होगी। धामी सरकार ने इस बार चैत्र नवरात्र को नारी शक्ति उत्सव के रूप में मनाने का बड़ा फैसला लेते हुए सभी को खुश करने का काम किया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश 22 से 30 मार्च तक नवरात्र को नारी शक्ति उत्सव के रूप में मनाते हुए हर जिले में देवी उपासना के काक्रमों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए सभी जिलाधिकारियों को एक-एक लाख रुपये दिए गए हैं। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रदेश में एतिहासिक फैसले लेते हुए नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के संस्कारों में देवी स्तुति का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि टनकपुर से खाटू श्याम (राजस्थान) के लिए 52 सीट वाली बस की सेवा शुरू कर भी सीएम ने एतिहासिक कदम उठाया है। इससे श्रद्धालुओं को भी बड़ी राहत मिली है। जबकि मुख्यमंत्री के कार्यों में एक और उपलब्धी जुड़ गई है।

उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस सेवदल की प्रदेश अध्यक्ष हेमा पुरोहित का हरिद्वार आगमन पर हुआ स्वागत

हरिद्वार। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश महासचिव अनिल भास्कर ने कहा की सेवा दल सदैव कांग्रेस की नीतियों को व विचारधारा से जोड़ने का काम करता है पूर्व प्रदेश सचिव विभाष मिश्रा ने कहा की नई टीम को जोड़ने का प्रयास है तथा सेवा दल संगठन के लिए अनुशासन मिलता है । नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष अश्विन कौशिक ने कहा की वह कांग्रेस की नीतियों व विचारधारा के अनुरूप कार्य कर जानता को जोड़ने का काम करेंगे सेवादल के पूर्व अध्यक्ष नितिन कौशिक ने कहा की सेवा दल कांग्रेस कार्यकर्ता को सम्मान व पहचान दिलाने का कार्य करता है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे स्वतंत्रता सैनानी परिवार के सदस्य व वरिष्ठ कांग्रेस नेता राकेश शर्मा जी ने कहा की उन्हें गर्व है की उनका परिवार स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा रहा है वह सदैव कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े रहे हैं व सदा जुड़े रहेंगे। हरिद्वार में कांग्रेस को स्थापित करने की भूमिका निभायेंगे बैठक में रेणु रूहेला, बबीता बिरला, पूनम पुरोहित, सोहन सहरावत, रवींद्र धीमान, डॉ सुशील शर्मा, विभाष मिश्रा, राजेश शर्मा, वरुण सहगल, मुनेश्वर सहगल, त्रिभुवन कौशिक, शिवम कौशिक, ईशान कौशिक, वत्सल पराशर, शुभम्शर्मा, रोहित सहगल शामिल रहे।

अश्विन कौशिक को महानगर कांग्रेस सेवादल का अध्यक्ष किया नियुक्त

घरों में मानवीय मित्रता का सम्बन्ध दर्शाती है गौरेया : महन्त रविन्द्र पुरी

पर्यावरण प्रकोष्ठ ने दी 'नन्हीं सी चिड़िया-मैं हूँ गौरेया' गीत पर एक नाटकीय प्रस्तुति

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। एस.एम.जे.एन. पी.जी. कॉलेज में आज विश्व गौरेया दिवस के अवसर पर पर्यावरण प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा एक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर्यावरण प्रकोष्ठ के द्वारा पिछले तीन वर्षों में गौरेया संरक्षण के लिए किये जा रहे प्रयासों का विवरण दर्शाती हुई एक वृत चित्र का निर्माण किया गया जिसका तकनीकी उद्घाटन कॉलेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री महन्त रविन्द्र पुरी जी महाराज द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कॉलेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री महन्त रविन्द्र पुरी जी महाराज ने पर्यावरण प्रकोष्ठ के इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि गौरेया प्रायः विलुप्त सी हो गयी है। शहरीकरण और पेड़ों के कटने से मानवीय मित्रता का सम्बन्ध दर्शाती हुई गौरेया अब घरों के आंगन में देखने को नहीं मिलती है। ऐसी परिस्थिति में गौरेया संरक्षण के लिए किये जा रहे सराहनीय कार्य के लिए पर्यावरण प्रकोष्ठ तथा सम्पूर्ण कॉलेज परिवार प्रशंसा का पात्र है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि गौरेया मात्र एक पक्षी नहीं अपितु मानव सभ्यता और संस्कृति का भी प्रतीक है। पर्यावरण प्रदूषण, शहरीकरण और वनों के विनाश से इसकी संख्या लगातार कम होती जा रही है जो न केवल मानव समाज अपितु पर्यावरण के लिए भी एक गम्भीर संकट है। डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, प्रभारी, आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने कहा कि महाविद्यालय ने पूर्व में भी पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूक कार्यक्रम चलाये हैं। उन्होंने कहा कि गौरेया संरक्षण का प्रयास फलीभूत होना महाविद्यालय के सामाजिक और पर्यावरण के क्षेत्र में तत्परता को दर्शाता है। डॉ. विजय शर्मा, समन्वयक, पर्यावरण प्रकोष्ठ ने कहा कि पर्यावरण प्रकोष्ठ निरन्तर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयासरत है। डॉ. शर्मा ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में महाविद्यालय सहित 300 से अधिक घरों में गौरेया के संरक्षण के लिए घोसलें लगवाये गये हैं और उनमें से अधिकतर घरों में घोसलों के माध्यम से गौरेया चहकायी भी है।

इस अवसर पर कॉलेज में पर्यावरण प्रकोष्ठ के छात्र-छात्राओं गौरव बंसल, अंशिका, आरती असवाल, मानसी वर्मा और रिया आदि द्वारा नन्हीं सी चिड़िया-मैं हूँ गौरेया गीत पर एक नाटकीय प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से विनय थपलियाल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. विनीता चैहान, डॉ. मिनाक्षी शर्मा, डॉ. रश्मि डोभाल, डॉ. रजनी सिंघल, डॉ. पल्लवी, डॉ. सरोज शर्मा, डॉ. रेनू सिंह, डॉ. अमिता मल्होत्रा, नेहा गुप्ता, डॉ. सुरभि प्रधान, प्रिंस श्रोत्रिय, विनीत सक्सेना, डॉ. महिमा नागयान, श्रीमती रचना गोस्वामी, श्री मोहन चन्द पाण्डेय, चन्द्र मोहन शर्मा, मोनूराम राणा, सोनू कुमार, सुशील राठौर आदि उपस्थित थे।

पूरे प्रदेश में नारी शक्ति उत्सव के रूप में मनाए जाएंगे चैत्र नवरात्र

नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्र के दौरान प्रत्येक जिले में देवी उपासना के कार्यक्रम आयोजित होंगे।

संस्कृति विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को एक-एक लाख रुपये अवमुक्त किए।

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। 22 मार्च से प्रारंभ हो रहे चैत्र नवरात्र को इस बार राज्य भर में नारी शक्ति उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान प्रत्येक जिले में देवी उपासना के कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस हेतु संस्कृति विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को एक-एक लाख रुपये अवमुक्त कर दिए हैं। संस्कृति विभाग के सचिव हरिचन्द्र सेमवाल ने बताया कि चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान के साथ पूजा की जाएगी। वैदिक तथा पुराणों में चैत्र नवरात्रि को विशेष महत्व दिया गया है। इसे आत्मशुद्धि तथा मुक्ति का आधार माना गया है। चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा का पूजन करने से नकरात्मक ऊर्जा खत्म होती है और चारों ओर एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अतः चैत्र नवरात्रों की उत्तराखण्ड राज्य में व्यापक धार्मिक महत्ता के दृष्टिगत इस दौरान प्रदेश में सभी प्रमुख देवी मंदिरों एवं शक्तिपीठों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन जाएगा।

चैत्र नवरात्रि की इन शुभ तिथियों में सरकार द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए उपरोक्त उद्देश्यों एवं जनभावनाओं को संजोये रखने के दृष्टिगत प्रदेश के समस्त जनपदो के प्रमुख देवी मन्दिरों / शक्ति पीठों में मातृशक्ति के सामर्थ्य एवं शक्ति का प्रतीक नवरात्रों के अवसर पर 22 मार्च से 30 मार्च तक नवरात्रि नारी शक्ति उत्सव के रूप में मनाया जाएगा तथा इस अवसर पर दुर्गा सप्तमी / रामचरितमानस / देवी गायन / देवी जागरण आदि पाठ आयोजित कराये जाने का निर्णय लिया गया है। महिलाओं एवं बालिकाओं की इन कार्यक्रमों में विशेष रूप से सहभागिता की जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में आयोजित होने वाले इस उत्सव के आयोजन हेतु जिलाधिकारियों द्वारा जनपद / विकास खण्ड स्तर पर समिति का गठन किया जाएगा जिसमें सांस्कृतिक, धार्मिक एवं जनसहभागिता से जुड़े संगठनों एवं कार्यक्रम से आम जनमानस को जोड़ने हेतु जिला सूचना अधिकारी का सहयोग लिया जाएगा। उक्त समिति द्वारा यह निर्णय लिया जायेगा कि जनपद / विकास खण्ड स्तर पर किन देवी मन्दिरों / शक्ति पीठों में आयोजन किया जाये। प्रदेशभर में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु संस्कृति विभाग, द्वारा प्रत्येक जिलाधिकारी को रू. 1.00 लाख की धनराशि प्रदान की जायेगी एवं अन्य व्यवस्थायें जिला प्रशासन द्वारा अपने स्तर से सुनिश्चित की जायेंगी।

शक्ति और सामर्थ्य से करें, श्रीराम कथा में योगदान: बाबा आलोक गिरी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। बाबा आलोक गिरी महाराज ने कहा कि शक्ति भक्ति और सामर्थ्य के साथ रामभक्तों को श्रीराम कथा में अपना सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। भगवान राम की भक्ति के लिए तन और मन से समर्पित रहने पर शेष कार्य पूर्ण करने के लिए स्वयं रामभक्त हनुमान मौजूद रहते हैं। ऐसे भक्तों को राम की कृपा अवश्य प्रति है और हनुमान जी महाराज के सहयोग से उनके सभी मनोकामना पूर्ण होती है। गौरतलब है कि हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री बालाजी धाम सिद्धबलि हनुमान नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में दिनांक 28 मार्च से लेकर 5 अप्रैल तक श्री 108 हरिदास महाराज के मुखारविंद से संगीतमयी श्रीराम कथा का अमृत गुणगान किया जायेगा। श्रीरामकथा की तैयारियां को लेकर रविवार को मंदिर प्रांगण में श्रीराम कथा आयोजन समिति की बैठक बुलाई गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्वामी आलोक गिरी महाराज ने सभी सदस्यों से रामकथा के आयोजन में बढ़ चढ़कर योगदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए तन की शक्ति और मन की भक्ति परम आवश्यक है। कहते है कि प्रभु राम की कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है और राम की कृपा से सभी मनोरथ पूर्ण हो जाते हैं। स्वामी आलोक गिरी महाराज ने कहा कि जनकल्याण की भावना से श्री रामकथा का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में श्री राम कथा सफल आयोजन में जनमानस की भागीदारी और सहयोग की नितांत आवश्यकता है। इस मौके पर केपी कोठारी, रमेश रावत, पं विपिन डोडरियाल, संजय कुमार, ओमप्रकाश मलिक, विकास मास्टर, रामसागर यादव, कामेश्वर यादव, विशाल भाटिया, अबधेश झा, विष्णु देव ठेकेदार, पं विनय मिश्रा, रमेश सेमवाल, अंश मल्होत्रा, पुनीत चौधरी, नितिन चौधरी, गौरव कुमार, अमित कश्यप, कृष्ण लाल प्रजापति, कार्तिक राजपूत, राहुल कश्यप, पुजारी मनकामेश्वर गिरी, शंकर गिरी सहित अन्य गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

पटवारी पेपर लीक प्रकरण में S.I.T. ने की एक और गिरफ्तारी

50000/- के इनामी अभियुक्त को भगवानपुर क्षेत्र से दबोचा

नौकरी के नाम पर ठगी मामले में अभियुक्त के खिलाफ लक्सर में है मुकदमा दर्ज

S.I.T. की जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है, हमारा लक्ष्य हर दोषी को सलाखों के पीछे भेजना है : एसएसपी अजय सिंह

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। पटवारी पेपर लीक प्रकरण में थाना कनखल पर दर्ज मु0अ0स0-12/2023 धारा 409, 467, 468, 420, 471, 120 बी भा.द.वि. व ¾ परीक्षा निवारण व 8 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में फरार चल रहे 50000/- के इनामी अभियुक्त डेविड पुत्र साधु राम निवासी बाकरपुर थाना लक्सर हरिद्वार को S.I.T. टीम ने पकड़ने में सफलता हासिल की है।

अपने साथियों के साथ मिलकर पटवारी/लेखपाल भर्ती में अभ्यर्थियों से लाखों रुपए व एजुकेशन डॉक्युमेंट प्राप्त कर उन्हें बिहारीगढ़ स्थित रिसॉर्ट में परीक्षा की तैयारियां कराने के मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहे अभियुक्त डेविड के विरुद्ध माननीय न्यायालय स्पेशल जज सतर्कता देहरादून द्वारा गिरफ्तारी का अधिपत्र जारी किया गया था तथा आईजी गढ़वाल रेंज करण सिंह नगन्याल द्वारा 50,000/- (पचास हजार रुपए) का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तारी के लिए लगातार अलग-अलग स्थानों पर दबिश दे रही S.I.T. टीम ने अभियुक्त को भगवानपुर क्षेत्र से दिनांक 19 मार्च 2023 को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर जे.ई. भर्ती परीक्षा में भी अभ्यर्थियों से लाखों रुपये की धनराशी लेकर प्रश्न पत्र लीक किये जाने व षड़यन्त्र में शामिल होने की पुष्टि हुयी है। वन दरोगा भर्ती पेपर लीक प्रकरण में अभियुक्त डेविड ब्लूटुथ से नकल कराने के मामले में जेल भेजा गया था। साथ ही नौकरी के नाम पर ठगी कर रकम ऐठने का मामला प्रकाश में आने पर कोतवाली लक्सर में दर्ज मुकदमें में भी अभियुक्त डेविड वांछित है।

नाम पता अभियुक्त

1- डेविड पुत्र साधु राम निवासी बाकरपुर कोतवाली लक्सर हरिद्वार

मादक पदार्थ (एन.डी.पी.एस.एक्ट गाजा) / शराब के कारोबारियों पर कोतवाली नगर हरिद्वार पुलिस ने कसा शिकंजा

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। मुख्यमंत्री महोदय उत्तराखण्ड सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान "नशा मुक्ति देवभूमि" के क्रम में मादक पदार्थों के अवैध तस्करी एंव कारोबार के तहत अवैध शराब, मादक पदार्थ/ नशीले पदार्थ, सट्टा जुआ एवं संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्यवाही करने के क्रम में कोतवाली पुलिस द्वारा दी जा रही एक के बाद एक दबिश में मिल रही है सफलता। दौराने गश्त /चैकिंग में दिनांक 19.03.2023 को अलग-अलग स्थानो में दबिश देते हुए भियुक्त सागर उर्फ सन्नी पुत्र स्व0 मोती लाल निवासी शिष्य मनुनाथ निकट रेलवे काली बाडी कालोनी गुहाटी आसाम हाल पता गग सूरजपुर कालोनी हरिपुरकला थाना कोतवाली रायवाला जनपद देहरादून उम्र 50 वर्ष को स्थान हिल बाईपास सुदर्शन अपार्ट मेन्ट की पिछली साईड से 5 किलो 660 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया अभि0 के विरूध थाना हाजा पर अन्तर्गत धारा 8/20 ndps act मे अभियोग पंजीकृत किया गया। अभि0गण को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जायेगा।

गिरफ्तार अभियुक्तागण

सागर उर्फ सन्नी पुत्र स्व0 मोती लाल निवासी शिष्य मनुनाथ निकट रेलवे काली बाडी कालोनी गुहाटी आसाम हाल पता गंगा सूरजपुर कालोनी हरिपुरकंला थाना कोतवाली रायवाला जनपद देहरादून उम्र 50 वर्ष अन्तर्गत धारा 8/20 ndps act

बरामदगी का विवरण

- 5 किलो 660 ग्राम अवैध गांजा अभि0 सागर उर्फ सन्नी से बरामद

पुलिस टीम

- उ.नि. खेमेन्द्र गंगवार चौकी प्रभारी खड़खड़ी कोतवाली नगर हरिद्वार
- हे.का. 211 हरेन्द्र सिंह कोतवाली नगर हरिद्वार
- हे.का. 320 जितेन्द्र कुमार कोतवाली नगर हरिद्वार

अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया बोले- भारत में कोविड-19 के दौरान गरीबी बढ़ने वाला दावा सरासर गलत

न्यूयार्क। जाने-माने अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत में गरीबी और असमानता बढ़ने का दावा सरासर गलत है. उन्होंने कहा कि ये दावे विभिन्न सर्वे पर आधारित हैं, जिनकी तुलना नहीं की जा सकती है। उन्होंने एक शोध पत्र में यह भी कहा है कि वास्तव में कोविड के दौरान देश में ग्रामीण और शहरी के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर असमानता कम हुई है

कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष पनगढ़िया और इंटेलिंक एडवाइजर्स के विशाल मोरे ने मिलकर ' भारत में गरीबी और असमानताः कोविड-19 के पहले और बाद में' शीर्षक से यह शोध पत्र लिखा है. कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में भारतीय आर्थिक नीति पर आयोजित आगामी सम्मेलन में इस शोध पत्र को पेश किया जाएगा. इस सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स का भारतीय आर्थिक नीति पर दीपक और नीरा राज सेंटर कर रहा है। इसमें भारत में कोविड-19 महामारी से पहले और बाद में गरीबी और असमानता की स्थिति का विश्लेषण किया गया है. इसके लिये भारत के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के निश्चित अवधि पर होने वाले श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में जारी घरेलू व्यय के आंकड़ों का उपयोग किया गया है।

शोध पत्र में कहा गया है कि पीएलएफएस के जरिये जो गरीबी का स्तर निकला है, वह 2011-12 के उपभोक्ता व्यय सर्वे (सीईएस) से निकले आंकड़ों और उससे पहले के अध्ययन से तुलनीय नहीं है. इसका कारण पीएलएफएस और सीईएस में जो नमूने तैयार किये गये हैं, वे काफी अलग हैं।

इसके अनुसार, तिमाही आधार पर अप्रैल-जून, 2020 में कोविड महामारी की रोकथाम के लिये जब सख्त 'लॉकडाउन' लागू किया गया था, उस दौरान गांवों में गरीबी बढ़ी थी. लेकिन जल्दी ही यह कोविड-पूर्व स्तर पर आ गयी और उसके बाद से उसमें लगातार गिरावट रही. कोविड-19 के बाद सालाना आधार पर असमानता शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में घटी है. यह राष्ट्रीय स्तर पर देखा गया है.

शोध पत्र के अनुसार, ''कुल मिलाकर, यह कहना कि कोविड-19 के दौरान गरीबी और असमानता बढ़ी है, सरासर गलत है.''इसमें कहा गया है, ''सालाना आधार पर, कोविड वर्ष 2019-20 में गरीबी ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार कम हुई है. हालांकि, इसके घटने की दर जरूर कम रही है. वित्त वर्ष 2020-21 में भी गांवों में गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई.'' शोध पत्र में कहा गया है, ''तिमाही आधार पर गांवों में गरीबी जरूर बढ़ी. लेकिन यह केवल कोविड महामारी की रोकथाम के लिये कड़ाई से लगाये गये लॉकडाउन' अप्रैल-जून, 2020 के दौरान देखने को मिली.'' इसमें कहा गया है, ''लेकिन अप्रैल-जून, 2021 तिमाही में शहरी गरीबी में गिरावट शुरू हुई. इससे पहले, चार तिमाहियों तक शहरी गरीबी में जो वृद्धि रही, उसका कारण संपर्क से जुड़े क्षेत्रों (होटल, रेस्तरां आदि) में उत्पादन में तीव्र गिरावट रही. हालांकि, पांच किलो अतिरिक्त अनाज के मुफ्त वितरण से शहरी गरीबी में तीव्र गिरावट आई.'' उन अध्ययनों में से एक अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी रिपोर्ट (2021) है. यह अध्ययन परिवार की आय और व्यय सर्वे पर आधारित है. यह सर्वे सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी ने किया था. शोध पत्र के अनुसार अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट में कहा गया कि बड़े पैमाने पर रोजगार की कमी के साथ ग्रामीण, शहरी के साथ गरीबी और असामानता में वृद्धि हुई है.

इस अध्ययन की आलोचना करते हुए पनगढ़िया और मोरे लिखते हैं, ''गरीबी और असमानता का आकलन सीधे तौर पर व्यय सर्वे के जरिये करने के बजाय, रिपोर्ट में उसे मापने के लिये घटना अध्ययन का सृजन किया गया है. यह अजीब और संदेहास्पद है तथा हम इसे सही नहीं मानते।

मोदी की पहल से 2047 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो सकता है भारत : रिपोर्ट

नयी दिल्ली, (भाषा)। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के कारण स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से 2047 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल कर सकती है। अमेरिका के एक शीर्ष शोध संस्थान ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में बड़े विस्तार से आयात में अरबों डॉलर की बचत होगी। सरकार द्वारा वित्तपोषित शोध एवं विकास केंद्र लॉरेंस बर्कले नेशनल लैबोरेटरी ने 'द इंडिया एनर्जी एंड क्लाइमेट सेंटर (आईईसीसी)' के साथ मिलकर 'आत्मनिर्भर भारत का रास्ता' शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें भारत द्वारा स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की दिशा में उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला गया है। भारत अपनी कच्चे तेल और कोयले की 80 से 85 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरा करता है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में इनकी कीमत और आपूर्ति में उतार-चढ़ाव के कारण भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि स्वच्छ ऊर्जा की कीमतों में हाल ही में नाटकीय ढंग से आई कमी से भारत को अक्षय ऊर्जा, बैटरी भंडारण और हरित हाइड्रोजन में निवेश के माध्यम से ऊर्जा आयात को कम करने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री मोदी पहले से ही 2030 तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य तय कर चुके हैं। सरकार 2030 तक निजी कारों में 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी चाहती है। वाणिज्यिक वाहनों में 70 प्रतिशत और दोपहिया के लिए यह लक्ष्य 80 प्रतिशत का है।

सोना 60 हजार के पार, चांदी में भी उछाल

नई दिल्ली। देश में सोने की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल देखने को मिला है। सोमवार को सोने के दाम पहली बार ऐतिहासिक लेवल 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गए हैं।

वहीं, चांदी की कीमत में थोड़ी गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स पर सोना सुबह 59,418 रुपए पर खुला था, लेकिन दिन बढ़ने के साथ सोना पहले 60,000 के पार गया फिर 60,418 रुपए प्रति 10 ग्राम के लेवल पर जा पहुंचा। वहीं, चांदी के दामों में भी तेजी देखी जा रही है। चांदी 69,000 रुपए किलो के पार जा पहुंचा है और फिलहाल 69,100 रुपए प्रति किलो पर ट्रेड कर रहा है। बता दें कि देश में इन दिनों सोने की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में यदि आप भी सोने में निवेश करने की सोच रहे हैं तो यह आपके लिए सही समय है। अगर आप अभी सोने में निवेश करते हैं तो आप मोटा मुनाफा कमा सकते हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ इंटरनेशनल हम रेडियो क्लब ने बच्चों को किया जागरूक

डूंगरपुर (राजस्थान)। माउंट आबू इंटरनेशनल हम रेडियो क्लब के तत्वावधान में ब्रह्माकुमारीज़ डूंगरपुर सेवा केंद्र पर उपभोक्ता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर लोगों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव व अपरोधों से बचने के टिप्स भी दिए गए।

माउंट आबू हम रेडियो क्लब के रमेश भाई ने विद्यार्थियों व स्टाफ को सोशल मीडिया के लाभ और हानि को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आज के सोशल मीडिया से हो रहे अपराध से बचने के टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि आजकल बैंक खातों को हैक कर लेना, किसी के फोटो को छेड़छाड़ कर उसे वायरल कर देना, फिरौती वसूल करना, गलत मैसेज डाल कर बड़ी रकम का ऑफर करना, ओटीपी लेकर पैसे निकाल लेने की घटनाओं से बचने की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को संवाद करने की कला के लाभ और तरीके भी बताएं। कार्यक्रम में टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भी सहयोग किया। ट्राई के ऐप के बारे में भी विस्तार से बताया। रमेश भाई ने कहा कि एक एप्लीकेशन (एप) है माय चैनल सिलेक्टर। यह एप खास डीटीएच यूज करने वालों के लिए है आप अपने मोबाइल में इंस्टॉल कर अपने डीटीएच को कंट्रोल कर सकते हैं, जो चैनल देखना चाहते हैं, उसे एक्टिव कर सकते हैं और जिसे नहीं देखना चाहते हैं, उसे डीएक्टिव भी कर सकते हैं। इसी तरह से अनेक ऐप हैं, जिसके जरिए ग्राहकों को काफी सुविधाएं मिलती हैं। ग्राहकों को सुविधा मिले इसके लिए ट्राई हमेशा तत्पर रहती है।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय की विजया दीदी, हरी भाई, सतीश भाई के अलावा हॉस्टल के बच्चों व टीचर्स ने विचार रखें। कार्यक्रम में दामडी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के बच्चों औ शिक्षकों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

प्री-क्वार्टरफाइनल में निखत ज़रीन और मनीषा मौन

नई दिल्ली । गत विश्व चैंपियन निखत ज़रीन और मनीषा मौन ने विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप में रविवार को अपने-अपने मुकाबले सर्वसम्मति से जीतकर प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। गैर-वरीयता प्राप्त निखत ने 50 किग्रा वर्ग के शीर्ष 32 मुकाबले में अफ्रीकी चैंपियन रुमैसा बोउलम को 5-0 से परास्त किया। विश्व चैंपियनशिप 2022 की कांस्य पदक विजेता मनीषा (57 किग्रा) ने भी ऑस्ट्रेलिया की टीना रहीमी के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की। निखत और रुमैसा के मुकाबले के शुरुआती राउंड में दोनों खिलाड़ियों के बीच टक्कर का खेल देखने को मिला लेकिन जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ता गया, निखत ने अपने तेजतर्रार फुटवर्क से रुमैसा को बेअसर कर दिया। निखत ने इस जीत के बाद कहा, "आज के लिये मेरी रणनीति पहले राउंड से ही हावी होने की थी क्योंकि वह (रुमैसा) शीर्ष वरीयता प्राप्त थीं। अगर मैं शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराउंगी, तो यह जजों को प्रभावित करेगा।" उन्होंने कहा, "मैंने उसके मुकाबलों को पहले देखा है।

अगर आप करीब जाते हैं तो वह बहुत आक्रामक हो जाती हैं। इसलिए मैंने दूर से खेलने की योजना बनायी।" इससे पूर्व, निखत ने पहले चरण में गुरुवार को अजरबैजान की इस्मायिलोवा अनखानिम को मात दी थी। गौरतलब है कि निखत ने ओलंपिक भार वर्गों में से 52 किलोग्राम श्रेणी को हटाये जाने के बाद 50 किलोग्राम श्रेणी में प्रवेश किया है। वह राष्ट्रमंडल खेलों में 50 किग्रा का स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं, जबकि उन्होंने पिछली विश्व चैंपियनशिप 52 किग्रा वर्ग में जीती थी।

दूसरी ओर, हरियाणा की 25 वर्षीय मुक्केबाज मनीषा ने टीना के विरुद्ध फ्रंट फुट से शुरुआत की और पूरे बाउट के दौरान अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। मनीषा ने जीत के बाद कहा, "हमने इस बाउट के लिये पहले से ही रणनीति बना ली थी, बाउट के बीच में कोचों की सलाह ने मुझे विपक्षी मुक्केबाज की मानसिकता को समझने में मदद की। मैंने अपने मुक्कों का भरपूर इस्तेमाल किया। मैं यहां लड़ने के लिये हूं और अपने कंधों पर देश का भार उठाकर बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। मैं भारतीयों के अद्भुत समर्थन के लिये शुक्रिया अदा करना चाहूंगी, जो महिला मुक्केबाजों को प्री-क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने में मदद करने में महत्वपूर्ण रहा।" प्री-क्वार्टरफाइनल में मनीषा का सामना तुर्की की नूर एलिफ तुरहान से होगा, जबकि निखत मेक्सिको की हेरेरा अल्वारेज़ फातिमा से भिड़ेंगी।

इसी बीच, 2020 टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), साक्षी चौधरी (52 किग्रा) और प्रीति (54 किग्रा) सोमवार को अपने-अपने प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबलों के लिये रिंग में उतरेंगी। लवलीना का सामना मेक्सिको की सिताली ओर्टिज से होगा, वहीं साक्षी और प्रीति क्रमशः उज्बेकिस्तान की उराकबायेवा झाजीरा और थाईलैंड की जुटामास जिटपोंग का मुकाबला करेंगी।

श्रीलंकाई टीम न्यूजीलैंड के सामने पस्त; मंडरा रहा पारी की हार का खतरा, ब्रेसवेल-हेनरी ने ढाया कहर

वेलिंगटन। श्रीलंका ने फॉलोऑन करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 113 रन बनाए। हालांकि अब भी उसे पारी की हार से बचने के लिए 303 रन की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी चार विकेट पर 580 रन बनाकर घोषित की थी, जिसके जवाब में श्रीलंका की टीम 164 रन पर पहली पारी में ऑलआउट हो गई। इस तरह न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 416 रन की बड़ी लीड हासिल की। ऐसे में कीवी टीम के कप्तान टिम साउदी ने श्रीलंका को फॉलोऑन के लिए आमंत्रित करने में कोई देर नहीं लगाई। न्यूजीलैंड ने एक महीने पहले इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फॉलोऑन करते हुए एक रन से रोमांचक जीत दर्ज की थी। श्रीलंका ने दूसरी पारी में सजग शुरुआत की। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय कुसल मेंडिस 50 और एंजेलो मैथ्यूज एक रन पर खेल रहे थे। पहली पारी में खाता खोलने में नाकाम रहे मेंडिस ने दूसरी पारी में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले 96 गेंदों पर अपना 17वां अर्द्धशतक पूरा किया। तीसरे दिन के खेल में श्रीलंकाई बल्लेबाजी का आकर्षण कप्तान दिमुथ करुणारत्ने रहे। न्यूजीलैंड की तरफ से मैट हेनरी और माइकल ब्रेसवेल ने तीन-तीन विकेट लिए। श्रीलंका ने अपने आखिरी छह विकेट 50 रन के अंदर गंवाए।

अतंरराष्ट्रीय

दक्षिण अमरीका के कोलंबिया में हेलीकॉप्टर क्रैश, चार सैनिकों की मौत

बोगोटा। दक्षिण अमरीकी देश कोलंबिया में एक सैन्य हेलीकॉप्टर चोको विभाग की राजधानी क्विब्डो में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में चार सैनिकों की मौत हो गई। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने रविवार को यह जानकारी दी। पेट्रो ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर कहा, "क्विब्डो में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा है।" उन्होंने कहा कि जब हादसा हुआ तब हेलीकॉप्टर रसद की आपूर्ति कर रहा था। वहीं, चोको विभाग की गवर्नर फरलिन पेरिया ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

किम जोंग उन की बढ़ेगी सैन्य क्षमता, उत्तर कोरिया आर्मी में भर्ती होना चाहते हैं आठ लाख लोग

फियोंगयांग। किम जोंग उन की तानाशाही सत्ता वाली उत्तर कोरिया द्वारा एक दावा कर सभी को चौंका दिया गया है। इस दावे में उत्तर कोरिया ने कहा कि उसके देश के आठ लाख नागरिक अमरीका के खिलाफ जंग लडने के लिए तैयार हैं और इसके लिए वे सेना में शामिल भी होना चाहते हैं। स्थानीय अखबार रोडोंग सिनमुन के हवाले से रॉयटर्स ने बताया कि उत्तर कोरिया में करीब आठ लाख मजदूरों व छात्रों ने सेना में भर्ती होने का फैसला किया है। एक तरफ जहां दक्षिण कोरिया और अमरीकी सेना संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रही है। वहीं दूसरी तरफ उत्तरी कोरिया से आई यह खबर चौंकाने वाली है। बता दें कि दोनों देश दक्षिण कोरिया और अमरीका उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरे के मद्देनजर यह

संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रही है। इस संयुक्त युद्ध अभ्यास के विरोध में उत्तर कोरिया द्वारा बीते दिनों बैलेस्टिक मिसाइल भी लांच किया गया था। 16 मार्च के दिन उत्तर कोरिया ने एक बैलेस्टिक मिसाइल लांच किया था। यह मिसाइल लांच होने के बाद कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच स्थित सागर में गिरी थी।

इमरान के खिलाफ टेरेरिज्म का केस, PTI समर्थकों के बवाल पर पाकिस्तान पुलिस की बड़ी कार्रवाई

इस्लामाबाद। तोशाखाना मामले में इस्लामाबाद कोर्ट में इमरान खान की पेशी के दौरान हुए बवाल को लेकर पाकिस्तान पुलिस ने सख्त रवैया अख्तियार किया है। पुलिस ने इमरान खान समेत उनके कई समर्थकों के खिलाफ टेरेरिज्म का केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि इमरान खान और उनके समर्थकों ने जिस तरह से बवाल काटा उसे देखते हुए इसी तरह की कार्रवाई होनी जरूरी है। इससे कानून को मजाक समझने वाले लोगों को सबक मिलेगा। इमरान खान तोशाखाना मामले की बहुप्रतिक्षित सुनवाई में पेश होने के लिए लाहौर से इस्लामाबाद आए थे। उस दौरान इस्लामाबाद न्यायिक परिसर के बाहर उनके समर्थकों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई थी। पीटीआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच शनिवार को हुई झड़प के दौरान 25 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। उसके बाद अदालत ने सुनवाई 30 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी थी।

हिमाचल में 1 रुपए 90 पैसे महंगी होगी बिजली, विद्युत बोर्ड दे चुका है 90 पैसे बढ़ोतरी का प्रस्ताव

वाटर सेस के भार पर सस्पेंस बरकरार

शिमला। बिजली बिलों में अप्रैल महीने से बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। बिजली बोर्ड के 90 पैसे प्रति यूनिट दरों को बढ़ाने के प्रस्ताव पर आयोग की मुहर जल्द ही लगने वाली है। इसके साथ ही आयोग अब वाटर सेस लगने के बाद होने वाले बदलावों पर भी नजर बनाए हुए है। वाटर सेस से बिजली की दरों में एक रुपए का न्यूनतम उछाल आने की संभावना है। यदि राज्य सरकार सबसिडी के तौर पर उछाल का खर्च उठाती है, तो उपभोक्ताओं पर भार नहीं पड़ेगा। लेकिन राज्य सरकार सबसिडी पर फैसला नहीं कर पाई तो इसकी भरपाई उपभोक्ताओं को ही करनी होगी और इस स्थिति में बिजली के बिल की दर में जबरदस्त छलांग के साथ 1.90 रुपए की बढ़ोतरी होगी। यह बिजली के बिलों में अब तक हुई बढ़ोतरी में सबसे ज्यादा होगी। हालांकि इस बढ़ोतरी पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार और विद्युत नियामक आयोग के बीच पत्राचार चल रहा है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने जलशक्ति विभाग के माध्यम से वाटर सेस लगाने की तैयारी की है। इस विधेयक को विधानसभा में

आवश्यक संशोधन के बाद मंजूरी मिल चुकी है। प्रदेश में 172 बिजली परियोजनाओं पर वाटर सेस लगाया जाएगा और राज्य सरकार ने इन परियोजनाओं से सेस के माध्यम से चार हजार करोड़ रुपए की आय का लक्ष्य तय किया है। सरकार ने प्रति घन मीटर 10 से 50 पैसे वाटर सेस निर्धारित किया है। सेस की इस उगाही के साथ ही अब संकट विद्युत परियोजनाओं से होने वाली बिजली खरीद को लेकर बना हुआ है। विद्युत नियामक आयोग में हुई जनसुनवाई के दौरान बिजली उपभोक्ता टैरिफ न बढ़ाने का आह्वान कर चुके हैं। – एचडीएम

6.95 रुपए होगी प्रति यूनिट बिजली

बिजली बोर्ड का मौजूदा टैरिफ 126 यूनिट से 300 तक 5.05 पैसे प्रति यूनिट है। इसमें से 1.10 रुपए सरकार सबसिडी के तौर पर देती है। यानी उपभोक्ता को 3.95 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से भुगतान करना होता है। अब इनमें 90 पैसे बिजली बोर्ड के सुझाव और एक रुपए वाटर सेस के भी जुड़ जाते हैं तो हिमाचल में बिजली की दर 126 यूनिट के बाद 6.95 रुपए हो जाएगी। अब देखना यह है कि अप्रैल से नए टैरिफ में राज्य सरकार सबसिडी पर क्या फैसला करती है। राज्य सरकार मौजूदा सबसिडी जो 1.10 रुपए है को बढ़ाती है, तो उपभोक्ताओं पर असर कम होगा। व्यवसायिक उपभोक्ताओं को 20 केवीए तक 4.90 रुपए और 100 केवी तक 5.05 रुपए टैरिफ तय किया है। इनमें सरकार 0.20 पैसे सबसिडी दे रही है।

खालिस्तानी समर्थकों ने लंदन में उतारा तिरंगा झंडा, भारत ने ब्रिटेन के राजनयिक को किया तलब

नई दिल्ली। लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर खालिस्तान के समर्थकों द्वारा भारतीय झंडे को हटाने को लेकर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज करते हुए राष्ट्रीय राजधानी में रविवार रात ब्रिटेन के वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्विटर पर जानकारी देते हुए बताया कि भारत में ब्रिटेन के वरिष्ठ राजनयिक को तलब करते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। भारत ने लंदन में आज भारतीय उच्चायोग परिसर में खालिस्तानी समर्थकों के प्रवेश करने और भारतीय झंडे को हटाकर खालिस्तान के झंडे लहराने पर स्पष्टीकरण की भी मांग की। उन्होंने कहा कि भारत ने यह भी कहा कि ब्रिटेन में भारतीय राजनयिक परिसर और कर्मियों की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन सरकार की उदासीनता अस्वीकार्य है। विदेश मंत्रालय के देर रात जारी बयान में अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार किए जाने और उन पर मुकदमा चलाया जाने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने की मांग की गई है। सोशल मीडिया पर वीडियो में खालिस्तानी समर्थकों के एक समूह को खालिस्तान समर्थक नारे लगाते हुए और भारतीय उच्चायोग के बाहर खालिस्तानी झंडे लहराते हुए दिखाया गया है।

नौकरी के नाम पर 5.50 लाख ठगे, हरियाणा के शातिरों की करतूत, क्लर्क लगवाने का दिया था झांसा

बड़सर। हाई कोर्ट में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर एक युवक से लाखों रुपए की ठगी की गई है। जालसाजों में झांसे में आकर युवक के साढ़े पांच लाख रुपए गंवा दिए। युवक अपने रिश्तेदारों के माध्यम से ही कुछ ऐसे लोगों के संपर्क में आया, जिन्होंने इसे हाई कोर्ट में क्लर्क की नौकरी दिलवाने का वादा किया तथा इसकी एवज में साढ़े पांच लाख रुपए मांगे। नौकरी की चाह में शातिरों के खाते में 40 हजार रुपए डाले गए तथा बाकि के लाखों रुपए कैश के तौर पर दिए गए। लाखों रुपए लेने के बाद शातिरों ने न तो नौकरी दिलवाई और न ही पैसा वापस किया। ऐसे में युवक को पता चल गया कि उसके साथ ठगी हो गई है।

अब मामला पुलिस थाना बड़सर में दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार विकास खंड बिझड़ी के गांव बिहडू के युवक ने पुलिस थाना बड़सर में शिकायत दर्ज करवाई है कि शांति देवी निवासी प्रेम नर्सरी सैनिक रेस्ट हाउस नजदीक बस स्टैंड जिंद हरियाणा, नीलम सैनी व गौरव सिंह ने इसे पटना हाई कोर्ट में क्लर्क की नौकरी दिलाने की बात कही थी। नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी कर पांचलाख 50 हजार रुपए ऐंठ लिए हैं। नौकरी न मिलने पर जब पैसा वापस मांगा, तो वे आनाकानी करने लग पड़े। पीड़ित के पिता ने कहा कि उनका हरियाणा के इन शातिरों से किसी रिश्तेदार के माध्यम से ही संपर्क हुआ था। 40 हजार उनके खाते में तथा बाकी राशि कैश दी गई थी।

बजट में गुमराह की हिमाचल की जनता; अनुराग बोले, सरकार का न तो विजन, न ही डायरेक्शन

शिमला। हिमाचल प्रदेश में सरकार द्वारा पेश बजट पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे जनता को गुमराह करने वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में न तो विजन है न डायरेक्शन है। हमीरपुर से सांसद ठाकुर ने कहा कि जब से हिमाचल में कांग्रेस की सरकार आई है तब से विकास के सारे कार्य ठप हैं। हिमाचल में कांग्रेस सरकार का यह बजट पूरी तरह दिशाहीन है। कांग्रेस का यह बजट नीयत और नीति विहीन है। इस बजट में मात्र भाजपा सरकार की योजनाओं का नाम बदलने का काम किया गया है। हिमाचल की कई महत्त्वपूर्ण योजनाएं जैसे गृहिणी

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर बोले; सरकार का न तो विजन, न ही डायरेक्शन

सुविधा योजना, शगुन योजना, सहारा योजना, हिम केयर योजना और मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना के ऊपर चुप्पी का मतलब है कि इस बजट में इन योजनाओं के लिए कोई प्रवर्धन नहीं किया गया। कांग्रेस पर महिलाओं को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए ठाकुर ने कहा कि आज बजट घोषणा में इन्होंने हिमाचल प्रदेश में मात्र दो लाख 31 हजार महिलाओं को 1500 प्रतिमाह देने की बात की है। इसकी भी देनदारी के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं दिखता। मुख्यमंत्री पर बजट में झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए श्री ठाकुर ने कहा कि बजट में कहीं भी गोबर व दूध खरीदने या 300 यूनिट फ्री बिजली का जिक्र नहीं किया है।

84 हजार करोड़ ऋण

हिमाचल प्रदेश 2023-24 में 11840 करोड़ का ऋण लेने की ओर अग्रसर है। इससे पुराना ऋण चुकाने और ब्याज पर 11,068 करोड़ खर्च होगा। अगर लोन की गति इसी प्रकार से रही, तो अगले साल तक प्रदेश पर 84,000 करोड़ से ज्यादा ऋण होगा । ब्याज पर सरकार का 5,562 करोड़ और लोन की किस्त देने पर 5,506 करोड़ रुपए खर्च होने जा रहा है, जिसका कुल जोड़ 1168 करोड़ रुपए है।

फोरलेन प्रभावितों को एक हफ्ते में मुआवजा, मुख्यमंत्री सुक्खू ने 27 मार्च तक भुगतान के दिए आदेश

शिमला। फोरलेन निर्माण में जमीन और मकान गंवाने वालों को अब एक हफ्ते में मुआवजा मिल जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने समयसीमा तय कर दी है। उन्होंने 27 मार्च तक सभी 750 करोड़ रुपए के मुआवजे के वितरण को पूरा करने की बात अधिकारियों से कही है। इस संबंध में रविवार को सचिवालय में विशेष बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में सभी जिलों के उपायुक्त शामिल थे। उन्होंने एनएच परियोजनाओं के लिए एक माह के भीतर 804 करोड़ रुपए के भूमि मुआवजे का वितरण करने के लिए अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में सडक़ें परिवहन का मुख्य साधन हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने

के लिए राज्य सरकार ने मुआवजे और स्वीकृतियों से संबंधित मामलों का निपटारा प्रतिबद्धता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के सुचारू कार्यान्वयन के लिए सरकार ने प्रक्रिया में तेजी लाई जा रही है। इससे राज्य के लोगों के साथ-साथ प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने भूमि मुआवजा, वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) और वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए) की मंजूरी से संबंधी मामलों और परियोजनाओं के कार्यान्वयन में आ रही अन्य बाधाओं के समाधान पर बल दिया।

उन्होंने शिमला-मटौर सडक़, पठानकोट-मंडी सडक़, शिमला बाइपास और पिंजौर-बद्दी-नालागढ़ सडक़ की प्रगति की भी समीक्षा की और परियोजनाओं के निर्माण कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीहरू-लठियाणी सडक़ के लिए 900 करोड़ रुपए की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट 20 फरवरी को केंद्र सरकार को प्रस्तुत की जा चुकी है और 31 मार्च तक इस परियोजना को स्वीकृति मिलने की संभावना है। बैठक में राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (सूचना प्रौद्योगिकी एवं नवाचार), गोकुल बुटेल, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा, प्रधान सचिव ओंकार शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भरत खेड़ा, एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी अब्दुल बासित, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पंकज डडवाल और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

शराब-सिगरेट की लत से दूर रहते हैं बॉलीवुड के ये सितारे

बॉलीवुड स्टार्स की लाइफ काफी ग्लैमरस होती है। लाइमलाइट में रहने वाले इन सितारों के फैंस अपने फेवरेट स्टार के बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक रहते हैं। अक्सर इन सितारों को पार्टियों में स्पॉट किया जाता है। पार्टी के रंगीन माहौल में ये स्टार्स अक्सर नशे में धुत पाए जाते है, जिन्हें कई बार कैमरे में स्पॉट किया जाता है, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में कुछ ऐसे भी स्टार्स हैं, जो शराब,सिगरेट जैसी बुरी लत से कोसों दूर रहते हैं। आज हम आपको ऐसी ही सितारों के बारे में बताएंगे।

अमिताभ बच्चन

इस लिस्ट में पहला नाम आता है सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का। बिग बी भले ही फिल्मों में शराबी का किरदार निभा चुके हैं, लेकिन असल जिंदगी में वह शराब-सिगरेट जैसी नशे की चीजों को हाथ तक नहीं लगाते हैं। अपने पिता अमिताभ की तरह ही अभिषेक बच्चन भी उनके नक्शेकदम पर चल रहे हैं। एक्टर शराब जैसी नशीली पदार्थो से कोसों दूर रहते हैं। उनका मानना है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए नशे से दूर रहना चाहिए। इतना ही नहीं वह किसी भी तरह के नशे से जुड़े विज्ञापन भी नहीं करते हैं।

जॉन अब्राहम

इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता जॉन अब्राहम अपनी हेल्थ का काफी ध्यान रखते हैं। एक्टर रोजाना घंटों जिम में वर्कआउट करते हैं, ताकि अपनी फिटनेस बनाए रख सकें। फिटनेस फ्रीक होने के नाते जॉन नशे से दूरी बनाकर रखते हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा को आएदिन पार्टियों में स्पॉट किया जाता है, लेकिन वह सिगरेट और शराब से दूरी बनाकर रखते हैं। पंजाबी परिवार से होने के बाद भी एक्टर शराब को हाथ तक नहीं लगाते हैं।

अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार फिटनेस फ्रीक हैं। एक्टर रोजाना जल्दी उठकर वर्कआउट करते हैं। अक्षय किसी पार्टी में भी शामिल नहीं होते हैं। इसके वह शराब-सिगरेट जैसी नशे की चीजों से कोसों दूर रहते हैं।

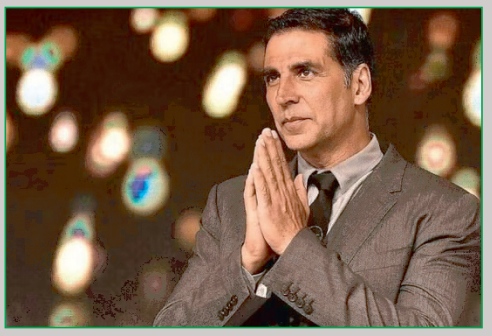

परिणीति चोपड़ा

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा बॉलीवुड की जानी मानी अदाकारा हैं। परिणीति अपनी हेल्थ का काफी ध्यान रखती हैं और ऐसे में वह शराब और सिगरेट से कोसों दूर रहती हैं।

शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड की फिट अभिनेत्रियों में शुमार शिल्पा शेट्टी भी अपनी फिटनेस का काफी ध्यान रखती हैं। ऐसे में वह किसी भी तरह का नशा नहीं करती हैं।

'जुबली' से सामने आया अदिति राव हैदरी का फर्स्ट लुक, सुमित्रा कुमारी बन सोशल मीडिया पर छाईं अभिनेत्री

बॉलीवुड अभिनेत्री अदिती राव हैदरी इन दिनों अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। अभिनेत्री कभी सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते को लेकर तो कभी अपने काम को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले दिनों वेब सीरीज 'ताज डिवाइडेड बाय ब्लड' में अपने अभिनय का जलवा दिखाने के बाद अब अदिती एक और प्रोजेक्ट में आने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अदिती जल्द ही विक्रमादित्य मोटवानी की वेब सीरीज 'जुबली' में नजर आने वाली हैं। जहां सभी अदिती को इस सीरीज में देखने के लिए उत्साहित हैं, वहीं आज इस प्रोजेक्ट में अभिनेत्री के रोल का खुलासा भी हो गया है। 'ताज डिवाइडेड बाय ब्लड' में अनारकली का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल चुराने के बाद अदिति राव हैदरी अब 'जुबली' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर इस सीरीज से अपने लुक का फर्स्ट पोस्टर रिलीज किया है। इस पोस्ट को रिलीज करने के साथ ही पता लग गया है कि अदिति इस फिक्शनल सीरीज में किस किरदार में नजर आने वाली हैं। अदिति पोस्टर में बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस लग रही हैं। अदिती राव हैदरी विक्रमादित्य मोटवानी की वेब सीरीज 'जुबली' में सुमित्रा कुमारी की भूमिका निभाती नजर आने वाली हैं। अपना फर्स्ट लुक साझा करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'पेश कर रही हूं सुपरस्टार सुमित्रा कुमारी जिनकी आकर्षक सिल्वर स्क्रीन लाइफ में सब कुछ था, लेकिन फिर भी कुछ भी ऐसा नहीं था, जो वास्तविक जीवन में मायने रखता हो ! 7 अप्रैल से नई सीरीज।' अदिति राव हैदरी के अलावा, सीरीज में प्रसेनजीत चटर्जी, अपारशक्ति खुराना, वामिका गब्बी, सिद्धांत गुप्ता, नंदीश संधू और राम कपूर जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सेल्वा की विवादित फिल्म 'बकासुरन' इस दिन ओटीटी पर होगी रिलीज

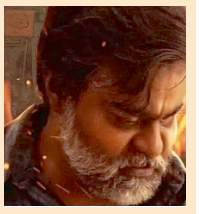

सेल्वाराघवन ने 'बीस्ट' से अपने करियर की शुरुआत की और अपने टैलेंट के दम पर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना ली। वहीं, उनकी मूवी 'बकासुरन' साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई। तमिल भाषा में दस्तक देने वाली इस क्राइम-थ्रिलर फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। अब 'बकासुरन' ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है, यह फिल्म कब और कहां स्ट्रीम होगी आइए जान लेते हैं- 'बकासुरन' फिल्म में सेल्वाराघवन और नटराजन सुब्रमण्यम लीड रोल में है। इसके डायरेक्टर मोहन जी हैं। मूवी इसी साल के फरवरी महीने में बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी। वहीं, अब इसके जल्द ओटीटी पर स्ट्रीम होने की जानकारी है। रिपोर्ट है कि 'बकासुरन' 24 मार्च 2023 से ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होने जा रही है। तो अगर आप भी अब तक इस मूवी को नहीं देख पाए हैं तो इसे ओटीटी पर देखने का सुनहरा मौका है। फैंस के सवालों से परेशान हुए जूनियर एनटीआर, बोले- 'फिल्में करना बंद कर दूंगा'

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक : विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906 : Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com